विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 7 से 13 मार्च 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 37 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

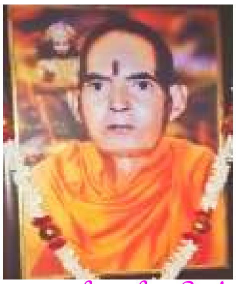

पूज्य बाबूजी का जीवन सिद्धांत

महिलाएं प्रभु का दुनिया के लिए अनुपम उपहार हैं, यह जहां सृजन का माध्यम हैं, वहीं संस्कारों की जननी होती हैं. महिलाओं की माया,ममता का कोई जवाब नहीं हो सकता है.महिला दिवस पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार सभी महिलाओं को नमन करता है. साथ ही यह कामना करता है कि संसार और संस्कार दोनों को ही बेहतरीन ढंग से संभालने वाली महिलाएं स्वस्थ रहें, मस्त रहें और उनकी ममता की छांव सदैव मिलती रहे.

नारी तू ही नारायणी का रूप भी है

महिला दिवस पर माता-बहनों को नमन, जिले की शान हैं श्रीमती प्रतिभाताई पाटील

भारतीय संस्कृति और संस्कारों के साथ ही भारतीय शास्त्रों में भी महिलाओं का स्थान सर्वोपरि रहा है. यही कारण है कि आज भी भारतीय संस्कारों में देश में कई महिलाओं ने अपना नाम अपने कार्यों से सदैव गौरवान्वित किया है. अमरावती जिले को ताईयों का जिला कहा जाए तो कम नहीं होगा. देश की प्रथम राष्ट्रपति के रूप में चाहे पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभाताई पाटील का जिक्र किया जाए या वर्तमान सांसद सौ. नवनीत रवि राणा, पूर्व मंत्री एड. यशोमति ठाकुर, विधायक सौ. सुलभाताई खोड़के के साथ ही जिले की जनता ने सदैव महिलाओं को महत्व दिया है और यह भी गर्व की बात है कि जिले की सभी महिला नेत्रियों ने अपने कामों से स्वयं को साबित किया और जिले का गौरव बढ़ाया है. विदर्भ स्वाभिमान सभी मातृशक्ति को नमन करता है.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का एक समृद्ध इतिहास है जो एक सदी से भी अधिक पुराना है. यह पहली बार 1911 में ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, जर्मनी और स्विट्जरलैंड में रैलियों और प्रदर्शनों के साथ मनाया गया था. तब से, यह महिलाओं के अधिकारों और लैंगिक समानता के लिए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन हम समाज में महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान को पहचानने और लैंगिक समानता के लिए चल रहे संघर्ष के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाते हैं. यह महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाने का दिन है.समाज की महान महिलाओं को सम्मान देने के लिए दुनिया भर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है. लैंगिक समानता लाने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना बहुत जरूरी है. वे समाज अच्छे से फलते-फूलते हैं जहां महिलाओं को समान सम्मान दिया जाता है और उन्हें हल्के में नहीं लिया जाता. अधिकांश पारंपरिक लोगों को अभी भी लगता है कि महिलाओं को घर के कामों तक ही सीमित रहना चाहिए और काम आदि के लिए बाहर नहीं निकलना चाहिए क्योंकि यह उनका कार्य क्षेत्र नहीं है, जो आज के समाज में नहीं अपनाया जाना चाहिए.

विश्व महिला दिवस का इतिहास जानने का प्रयास करते हैं. इसे मनाने की शुरूआत1909 में हुई थी. महिलाओं की सामाजिक और राष्ट्रीय महत्ता के साथ ही उनके महत्व को मानने के साथ ही उन्हें सम्मान देने के लिए पूरा विश्व इस दिन को मनाता है. वैसे महिलाओं की महत्ता केवल एक दिन नहीं बल्कि उनके बगैर **शेष पेज 2 पर भी देखें**

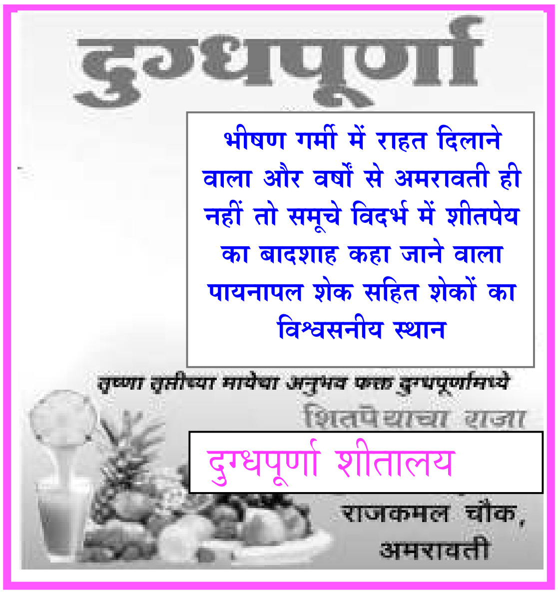

संपादकीय

अब नहीं सदैव सबला रही हैं महिलाएं

विश्व महिला दिवस पर समस्त महिलाओं को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. आप के महान कार्य के चलते आपको किसी एक दिन में ही समेटना किसी के लिए भी संभव नहीं है. लेकिन विश्वभर की महिलाओं के प्रति सम्मान जताने के लिए 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है. महिलाएं प्रभु की जहां अद्भुत, त्यागी रचना है, वहीं खुशियों का सबसे बड़ा माध्यम वही होती हैं. उनके बगैर न घर, न समाज और न ही किसी राष्ट्र की कल्पना की जा सकती है. भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सम्मान और महत्व दिया गया है. समय के साथ आज महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार जहां चिंता का विषय हैं, वहीं हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम किसी भी महिला का न अपमान करेंगे और न ही करने देंगे. नारी तू नारायणी कहकर इसको सम्मान दिया गया है, वह हर हाल में कायम रहने पर ही राष्ट्र प्रगति कर सकता है. पुत्री, एक माँ एक बहन, एक पत्नी एक सखा सभी रूपों में उसने अपना कर्तव्य पूरा किया है और कर रही है और आगे भी करती रहेगी इसमें कोई संदेह नहीं हैं.नारी... के कई रूप हैं. नारी जननी है.. मार्गदर्शिका है.. बेटी है..बहन है.. प्रेमिका है, पत्नी है और सबसे बढ़कर एक बहुत प्यारी दोस्त भी है. नारी तो देवी है. प्रकृति की एक बेहद ही खूबसूरत रचना नारी के बारे में सदियों से बहुत कुछ लिखा जा चुका है.भारतीय धरा पर इंदिरा गांधी के साथ ही लाखों बेटियों ने स्वयं के कामों से समूचे विश्व में नारी की महत्ता को बढ़ाने का काम किया. उन्हों ने यह साबित किया कि अबला नहीं अब हर क्षेत्र में कब्जा करने की क्षमता रखने वाली नारी सबला है और रहेगी. बुकर पुरस्कार विजेता, समाज सेविका और मशहूर लेखिका 'अरुंधति रॉय' आज पूरी दुनिया के लिए मिसाल हैं. 'द गॉड ऑफ़ स्मॉल थिंग्स' के लिये बुकर पुरस्कार प्राप्त अरुंधति राय ने लेखन के अलावा नर्मदा बचाओ आंदोलन समेत भारत के दूसरे जनांदोलनों में भी हिस्सा लिया है. अपनी बेबाकी और सच्चाई के लिए ही आज 'अरुंधति रॉय' लोगों के लिए मिसाल बन गयी हैं.अहिंसात्मक चिपको आंदोलन में भाग लेकर वंदना शिवा ने दिखा दिया कि नारी अगर चाहे तो कुछ भी कर सकती हैं. पर्यावरण कार्यकर्ता और लेखिका के रूप में वंदना ने जो पहचान बनायी है उसके आगे पूरा भारत उन्हें दिल से सलाम करता है.बांदा की गुलाबी गैंग का नेतृत्व करने वाली सम्पत पाल देवी भी शुमार हैं. संपत घरेलू हिंसा का विरोध करती हैं. गुलाबी साड़ी पहनकर महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ने वाली संपत पाल देवी दुनिया के लिए मिसाल हैं.सायना नेहवाल भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं. साइना भारत सरकार द्वारा पद्म श्री और सर्वोच्च खेल पुरस्कार राजीव गाँधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित हो चुकी हैं. बैडमिंटन की महिला एकल स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया. पूरे देश को अपनी इस बेटी पर गर्व है. सानिया मिर्जा भारत की एक टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा ज़ैसे लाखों बेटियों ने स्वयं को साबित किया है. फिर से महिलाओं को नमन और वंदन करते हैं.

क्षमता,सृजन की हैं जननी महिलाएं

विदर्भ स्वाभिमान
राय बताएं-9423426199/8855019189
www.vidarbhswabhiman.com

विश्व महिला दिवस पर समस्त महिलाओं को आनंद परिवार की ओर हार्दिक शुभकामनाएं. प्रभु ने जब भी दुनिया की रचना की होगी तो सृजन, त्याग के साथ ही समर्पण की प्रतिमूर्ति के रूप में महिलाओं की रचना की. महिलाएं जहां त्याग की मूर्ति होती हैं, वहीं दूसरी ओर उनका समर्पण और सभी को एक कड़ी में बांधे रखने की क्षमता विलक्षण होती है. महिलाएं समय पड़ने पर सब हैंडल कर सकती है लेकिन पुरूष की कहीं न कहीं क्षमता होती है. भारतीय संस्कृति में तो महिलाओं को सदैव अपार सम्मान और त्याग की मूर्ति बताया गया है. हमारी संस्कृति में तो यहां तक कहा गया है कि जहां महिलाएं प्रसन्न रहती हैं,प्रभु का वहीं निवास रहता है. संस्कृत में कई श्लोक महिलाओं पर आधारित हैं. वह जहां माता बनकर बच्चों का पालन करती हैं, वहीं पत्नी बनकर सुख-दुख कगी साथी रहती है, बेटी के रूप में माता-पिता को खुशियां देने वाली होती है, उसकी हर भूमिका अनुपम होती है. विश्व महिला दिवस एक दिन का रहता है लेकिन महिलाओं की महत्ता महिला दिवस दुनिया भर में

प्रतिवर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है।भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है- संस्कृत में एक श्लोक है- यस्य पूज्यंते नार्यस्त तत्र रमन्ते देवताः अथात, (जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं. बच्चों में संस्कार भरने का काम मां के रूप में नारी द्वारा ही किया जाता है. यह तो हम सभी बचपन से सुनते चले आ रहे हैं कि बच्चों की प्रथम गुरु मां ही होती है. मां के व्यक्तित्व-कृतित्व का बच्चों पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार का असर पड़ता है. महिलाओं के बगैर कितना भी बड़ा बंगला रहे, वह काटने दौड़ता है. इससे महिलाओं की जीवन में महत्ता कितनी होती है, इसका सहजता से अंदाजा लगाया जा सकता है. अंत में हम यही कहना ठीक रहेगा कि हम हर महिला का सम्मान करें.महिलाओं का जहां सम्मान होता है, उन्हें प्रोत्साहन मिलता है, वहां हर किसी प्रकार की खुशी होती है. उनके चारों ही रूप अपने आप में अनुपम है. विश्व में हर दिन ही महिलाओं का है.

सुदर्शन गांग,आनंद परिवार.

सृजन के साथ ही महाकाली बनने की भी होती है क्षमता

पेज 1 से जारी- एक मिनट की कल्पना नहीं की जा सकती है. हर भाषा में महिलाओं की महत्ता को कहा गया है. हिन्दी में तो कहावत ही चरितार्थ होती है कि बिन घरनी घर भूत का डेरा. घर की जहां महिलाएं शान होती हैं, वहीं प्रेम की पूरक होती हैं. उनकी ममता और क्षमता को शब्दों में बताना किसी के लिए भी संभव नहीं है.

अमरावती जिले का जहां तक सवाल है तो यहां महिलाओं को सदैव सम्मान दिया गया. वर्तमान सांसद सौ. नवनीत राणा के साथ ही आज भी इस जिले कई महिलाओं ने स्वयं के कामों से अपना ही नहीं तो अमरावती जिले का नाम रोशन किया है.अमरावती की राजनीति में पूर्व राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभाताई पाटील ने जहां देश का नेतृत्व किया है, वहीं नवनीत राणा ने भी अपने कामों से जिले को गौरवान्वित किया है. महिलाओं में संवेदनशीलता के साथ ही कर्मठता अधिक होती है. यही कारण है कि वे हर स्थिति में स्वयं को एडजस्ट कर लेती हैं. पूर्व मंत्री और विधायक एड. यशोमति ठाकुर ने महिला व बाल विकास की मंत्री के रूप में जिस तरह से

काम किया, उसकी आज भी लोग सराहना करते हैं. पूर्व सांसद उषाताई चौधरी,इसी तरह विधायक सुलभाताई खोड़के के साथ ही जिला परिषद की पूर्व अध्यक्षा सुरेखा ठाकरे सहित सभी महिला नेत्रियों ने अपने कामों से जिले का सम्मान बढ़ाया है.पहला राष्ट्रीय महिला दिवस 28 फरवरी, 1909 को पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में मनाया गया और यह परंपरा 1913 तक फरवरी के आखिरी रविवार को मनाई जाती रही.1910 : आधिकारिक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का पहला विचार जर्मनी की क्लारा ज़ेटकिन द्वारा सुझाया गया था. 17 देशों की 100 से अधिक महिलाओं के एक सम्मेलन ने ज़ेटकिन के विचार का स्वागत किया और दुनिया का पहला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने की तैयारी शुरू कर दी.1911 : सम्मेलन की तैयारी के बाद, पहला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह मनाया गया और महिलाओं के अधिकारों के लिए दुनिया भर में अभियान शुरू हुआ. यह वही वर्ष था जब न्यूयॉर्क शहर में ट्राएंगल शर्टवाइस्ट फायर ने 140 से अधिक कामकाजी महिलाओं की जान ले ली थी.1913-1917 : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए एक वार्षिक दिन निर्धारित करना 1911 के बाद के वर्षों में चर्चा का विषय बन गया और 1917 तक, आधिकारिक दिवस 8 मार्च के रूप में स्थापित किया गया.1975 : संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया.1996 : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए पहली थीम की घोषणा की गई जिसके बाद हर साल एक नई थीम रखी गई. 1996 का विषय था 2001 : अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में फिर से लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से महिला दिवस वेबसाइट लॉन्च किया गया. यह वेबसाइट आज भी सक्रिय है और सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से इस मिशन को पूरा कर रही है. जिले ही नहीं तो भारतीय महिलाओं ने विश्वस्तर पर भी हर क्षेत्र में अपना नाम रोशन किया है.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

विदर्भ स्वाभिमान
नारी तू ही नारायणी

सेवा समर्पित छायाताई विठ्ठलराव सोनवलकर

जीवन में अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन बहुत कम लोग ऐसे होते हैं जो औरों के लिए जीते हुए समाज के सामने आदर्श स्थापित करते हैं. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं छायाताई सोनवलकर. 26 जनवरी 1989 से शुरू सब्जी रोटी केंद्र में प्रतिदिन 150 से 200 लोगों के लिए भोजन बनाने वाली छाया ताई विठ्ठलराव सोनवलकर को विदर्भ स्वाभिमान द्वारा 9 मार्च को सम्मानित किया जाएगा.

मेहनत मजदूरी करते हुए परिवार का पालन पोषण करने वाले विठ्ठल राव सोनवलकर की प्रेरणा और संकल्पना से गरीबों जरूरतमंदों और दिव्यांगों की सेवा के लिए यह भाजी रोटी केंद्र शुरू किया गया.महंगाई के दौर में भी छायाताई सोनवलकर ने अपने संकल्प को बरकरार रखते हुए गरीबों की भूख मिटाने का कार्य लगातार जारी रखा.विठ्ठलराव सोनवलकर जहां मेहनती और सामाजिक दायित्व की भावना रखने वाले व्यक्ति हैं वहीं दूसरी ओर पिछले 35 सालों से लगातार सेवा करने के बाद आज भी केंद्र को किसी तरह की सरकारी मदद अथवा 10 बाय 10 की सरकारी जमीन भी नहीं मिलने का मलाल है.बावजूद इसके उनका मानना है कि जितना संभव हो सके .हर व्यक्ति को सामाजिक कार्य में योगदान देना चाहिए.विदर्भ स्वाभिमान द्वारा अभाव में रहकर भी गरीबों और दिव्यांगों की सेवा के उनके उल्लेखनीय कार्यों को ध्यान में रखते हुए विदर्भ स्वाभिमान महिला सम्मान पुरस्कार प्रदान करते हुए अपार खुशी की अनुभूति हो रही है.छायाताई सोनवलकर न केवल परिवार बल्कि समाज और शहर के लिए आदर्श हैं.उनके स्वस्थ और उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं. **भावना राजेश बनारसे**

संघर्ष में तप कर सोना हुई सुनंदाताई खरड़

जिले की भातकुली तहसील के ढंगारखेड़ा कुंड सर्जापुर जैसे गांव में जन्म लेने वाली तथा अपने स्वयं के अथक प्रयासों और मेहनत के बलबूते शहर में स्थान बनाने वाली मनपा महिला समिति की पूर्व उपसभापति सुनंदा ताई खरड़ ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने स्वयं का मुकाम अपने प्रयासों से हासिल किया.पूर्व नगर सेविका के रूप में जहां उन्होंने प्रभाग में करोड़ों रुपए के विकास कार्य किया वहीं दूसरी ओर आर्थिक संकट से परिवार को उभारने के साथ ही शहर में स्वयं का सम्मानजनक स्थान पैदा किया.

संवेदनशील महिला सुनंदाताई खरड़ का कहना है कि महिलाएं कभी अबला नहीं होती हैं. अगर वे तय कर ले तो उनके लिए कुछ भी कर गुजरना असंभव नहीं रहता है.वह कहती हैं जहां मेहनत है और काम के प्रति समर्पण है तो सफलता निश्चित मिलती है. प्रभाग के विकास की बात हो,महिलाओं की मदद अथवा उन्हें छोटे-मोटे रोजगार के प्रशिक्षण के माध्यम से अपने पैरों पर खड़ा करने का प्रयास करती हैं.उनके उल्लेखनीय कार्यों को ध्यान में रखते हुए विदर्भ स्वाभिमान द्वारा उन्हें सम्मानित करते हुए खुशी हो रही है.वे जनता तथा महिलाओं के जीवन को बेहतरीन बनाने के लिए इसी तरह प्रयास करते रहें स्वस्थ रहें औरउनकी सभी मनोकामनाएं पूरी होहम यही कामना करते हैं.

सौ. वीणा सुभाषचंद्र दुबे

रजिस्ट्रेशन ऑफ न्यूजपेपर्स (सेंट्रल रूल्स 1956 के अंतर्गत) विदर्भ स्वाभिमान पत्र के संबंध में स्वामित्व तथा अन्य विषयक जानकारी

घोषणा

1) प्रकाशन स्थल - छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती ता. अमरावती जिला-अमरावती (महाराष्ट्र)
2) प्रकाशन क्रम - साप्ताहिक
3) मुद्रक - संदीप बागडे, एस.बी. प्रिंटर्स, दत्त पैलेस, गांधी चौक, अमरावती-444605
4) प्रकाशक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे
निवासस्थान - श्रीहरी,छाया कॉलोनी, अकोली रोड, अमरावती.
5) सम्पादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे
नागरिकता - भारतीय
निवासस्थान - छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.444605
6) पत्र के स्वामित्व और भागीदार या एक प्रतिशत से अधिक पूंजीवाले हिस्सेदार - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे
नागरिकता - भारतीय

मैं सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे घोषित करता हूं कि उपरोक्त विवरण मेरी जानकारी तथा विश्वास के अनुसार सही है.
दिनांक- 07-03-2024

हस्ताक्षर
सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

गुरूभक्ति के साथ कर्मठता में भी अग्रणी हैं रितेश शिरभाते

ज़न्मदिन पर विशेष

क़हते हैं कि जहां धर्म होता है, वहीं विजय होती है, जहां सदाचार होता है, वहीं आदर्श संस्कार होता है, जहां भाव होता है, वहीं देव होत्ते हैं. जहां गुरू भक्ति होती है, वहीं समस्याएं कभी टिक नहीं सकती हैं. कुछ इसी तरह के व्यक्ति हैं रूक्मिणी वल्लभ झुनका भाकर केन्द्र सरोज चौक के संचालक जगतगुरू रामराजेश्वराचार्य माऊली सरकार के अनन्य भक्त तथा युवा व्यवसायी रितेश शिरभाते. सीताराम से अभिवादन करने वाले रितेश भैया जिनके समर्पित गुरू भक्त हैं, उतने ही कर्मठ व्यवसायी भी हैं. उनका मानना है कि गुरू का हाथ जिसके सिर पर रहे, उसे कभी किसी तरह की दिक्कत हो ही नहीं सकती है. उनके जीवन में भी भरपूर उतार चढ़ाव रहे हैं लेकिन वे बताते हैं कि जबसे माऊली सरकार के चरणों में जगह मिली है, हर विपदा, हर बला दूर होती गई और जीवन आनंदमय होता गया. गुरू सेवा को लेकर वे सदैव सतर्क रहते हैं. उनका कहना है कि गुरूजी के आशिर्वाद ने जहां उनके जीवन को बदल दिया, वहीं श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से सफलता का मापदंड का अनुभव उन्होंने किया है.

क़र्मठता के साथ जहां उन्होंने अपने व्यवसाय को भाई के साथ तथा मां के आशिर्वाद से ऊपर तक पहुंचाया हैं, वहीं वे कहते हैं कि गुरू के आशिर्वाद से वे मन में विचार करने के बाद अगर कोई काम हो रहा है तो इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है. अध्यात्मक, संस्कारों को बढ़ावा देने का माध्यम बनाया है.चिंतामणी गणेश मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी के साथ ही भक्तिभाव में सदैव लगे रहने वाले तथा धार्मिक और सामाजिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहने वाले रितेश शिरभाते का कहना है कि जीवन में गुरूमाऊली का आशिर्वाद बहुत कम लोगों के भाग्य में होता है. जिन्हें यह मिल जाता है, उनका जीवन संवर जाता है. कर्मठता के मामले में भी वे कभी कम नहीं रहते हैं. वे कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म को महत्वपूर्ण बताया है. हर व्यक्ति को अपना कर्म ईमानदारी से करना चाहिए. गुरू का आशिर्वाद उसे कभी पीछे नहीं आने देता है. रितेश भैया का 5 मार्च को जन्मदिन था, इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान परिवार, अमरावती.

महाशिवरात्रि पर शिवालय सजे, दर्शनार्थियों की उमड़ेगी अपार भीड़

अमरावती- शहर के साथ ही जिले के विभिन्न शिवालयों में महाशिवरात्रि का पर्व अपार भक्तिभाव तथा उत्साह के साथ मनाया जाएगा. सभी मंदिरों में इसकी तैयारी हो चुकी है. शहर को कोंडेश्वर, गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर, छांगानी नगर के महेश्वर मंदिर, श्रीक्षेत्र तपोवनेश्वर मंदिर के साथ ही नांदगांव खंडेश्वर के खंडेश्वर महादेव मंदिर में भी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है. यहां पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना के चलते ट्रस्ट पदाधिकारियों द्वारा सभी समुचित इंतजाम किया गया है. सैकड़ों क्विंटल साबूदाना खिचड़ी का वितरण इस मौके पर किया जाने वाला है. भक्तों से इसका लाभ लेने का आग्रह मंदिर प्रबंधन द्वारा किया गया है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

जीवन तभी सफल है जब

हमारा जीवन हमें तभी सफल मानना चाहिए जब हम किसी के बन जाएं या जीवन में किसी को अपना बना लें. मित्रता अगर करें तो स्वार्थ छोड़कर उसे निभाएं, किसी का हाथ पकड़ें तो उसे जीवनभर निभाए और प्रेम और सम्मान देते हुए जीवन में इस तरह का प्रेम और सम्मान पाएं कि हमें किसी का दोस्त होने पर गर्व हो, उससे अधिक उसे हमारी दोस्ती पर गर्व होना चाहिए. धन दौलत जरूरत हो सकती है लेकिन इंसानियत या रिश्तों से बड़ी कभी नहीं हो सकती है. जो लोग यह समझते हैं, उनके लिए हर स्थिति बेहतरीन हो जाती है. लेकिन जो लोग इसे नहीं समझ पाते हैं, उनके लिए समस्याएं अधिक होती हैं. प्रभु का नाम स्मरण करने से सद्भावना और संयम बढ़कर कई समस्याओं का निराकरण हो जाता है. इसलिए जीभर जिएं और दूसरों को भी खुशियों के माध्यम से जीने की सदैव प्रेरणा देने को ही जीवन जीना कहते हैं. वर्ना जी तो जानवर भी लेते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

माता-पिता हमारे जीवन की ऐसी एटीएम होते हैं जिनका प्रेम, आत्मीयता और अपनापन कभी भी खत्म नहीं होता है. उनके जैसा त्यागी हो ही नहीं सकता है. ऐसे में वे जब तक जिंदा हैं, उनकी सेवा करने के लिए समर्पित रहें. महिलाएं ही जब मां को समझ लेंगी तो कभी किसी माता-पिता को तकलीफ नहीं होगी.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

ग्रामपंचायत कार्यालय तळेगाव ठाकुर

पं.स. तिवसा, जि.अमरावती

निविदा सुचना

ग्रामपंचायत कार्यालय तळेगांव ठाकुर, पं.स. तिवसा, जि. अमरावती यांचे मार्फत १५ वा वित्त आयोग सन २०२३-२४ अंतर्गत खालील कामाची मोहरबंद निविदा बी-१ टक्केवारी प्रपत्रामध्ये जिल्हा परिषद बांधकाम विभाग यांचे वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून मागविण्यात येत आहे. कोऱ्या निविदा ग्रामपंचायत कार्यालय तळेगांव ठाकुर, पं.स. तिवसा, जि. अमरावती येथे मिळतील.

अ. क्र.	कामाचे नाव	योजनेचे नाव	कामाची किंमत रुपये	बयाना रक्कम १ %	निविदेची किंमत	कोऱ्या निविदा देण्याची व स्विकारण्याची दिनांक व वेळ	निविदा उघडण्याचा दिनांक
१	सिमेंट कॉक्रीट नाली बांधकाम करणे	१५ वा वित्त आयोग निधी २०२३-२४	३,४५,०००/-	३४५०/-	२००/-	०७/०३/२०२४ते ०९/०३/२०२४ कार्यालयीन वेळेत	११/०३/२०२४ कार्यालयीन वेळेत

टिप : १) निविदेच्या अटी व शर्ती ग्रामपंचायत कार्यालय तळेगाव ठाकुर, ता. तिवसा, जि. अमरावती यांच्या कार्यालयात कार्यालयीन वेळेत पहावयास मिळतील.

२) निविदा ह्या दोन लिफाफा पध्दतीने सादर करावयाच्या आहेत.

३) निविदा स्विकारण्याचे तसेच काही कारणास्तव निविदा रद्द करण्याचा अधिकार सरपंच/सचिव यांनी राखून ठेवलेले आहे.

सरपंच/सचिव
ग्रामपंचायत कार्यालय तळेगांव ठाकुर,
पं.स. तिवसा, जि. अमरावती.

ये जिंदगी तुझे भी नाही मिलेगी दोबारा.....

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष सौ.सारिका दीप मिश्रा, त्याग की प्रतिमूर्ति हैं महिलाएं

विदर्भ स्वाभिमान नारी तू ही नारायणी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की आप सभी महिलाओं को शुभकामनाएं. हम सभी जानते कि आज के दिन महिलाओं के सम्मान और उनके सामाजिक योगदान पर ध्यान केंद्रित किया जाता है. हम महिला दिवस पर कुछ ऐसी महिलाओं से रूबरू होते हैं जिन्होंने अपने क्षेत्र में ऐसा पराक्रम कर दिखाया है जिससे समाज में ही नहीं देश-विदेश में भारत का नाम रोशन हुआ है.जैसे के मदर टेरेसा, मिताली राज,इंदिरा गांधी,कल्पना चावला, किरण बेदी,सानिया मिर्जा,जीजाबाई झांसी की रानी ऐसे कई नाम है. इतिहास में ही नहीं वर्तमान जीवन में भी ऐसी हर महिला अपने घर में मदर टेरेसा,मिताली राज या झांसी की रानी का भूमिका रोजमर्रा के जीवन में निभाती हैं. कुछ परिवारों में उनकी सराहना होती है तो कहीं जीवन बीत जाता है पर पीठ पर हाथ थपथपाने वाला भी कोई नहीं होता. महिला दिवस के अवसर पर जिक्र करना चाहूंगी एक ऐसी ही पराक्रमी महिला का जिनका अभी कुछ माह पूर्व राजापेठ पुलिस स्टेशन की एपी आई प्रियंका कोठावार मैडम का जिनके एक्सीडेंट की खबर हम सभी ने अखबार में पढी होंगी.. परंतु जब मैं उनसे रूबरू मिली और उनके एक्सीडेंट की घटना सुनी तब मेरे रोंगटे खड़े हो गए,प्रियंका मैडम राजा पेठ पुलिस स्टेशन में कार्यरत है, हर काम में भी निपुण घर में हो या पुलिस स्टेशन या हो सामाजिक कार्य हो. उसे दिन भी वे सुबह 9:00 बजे पुलिस स्टेशन पहुंच गए थे तभी उन्होंने उन्हें याद आया कि बच्चों को दवा देना वे भूल गए हैं, तुरंत वापस घर लौट कर दवा देकर वह समय पर पुलिस स्टेशन के लिए निकले तभी गर्ल्स हाई स्कूल चौक पर उनके बाजू में एक ट्रक चल रहा था. अचानक ट्रक ने बिना इंडिकेटर के गाड़ी मोड़ लि तभी मैडम की गाड़ी सीधा ट्रक के सामने के चाको के बीच में चली गई इतना जोरदार झटका था कि उनका एक पैर घुटने से अलग हो चुका था पर ट्रक चालक को पता नहीं चला उसने गाड़ी रोक कुछ हुआ उसे लगा,वह ट्रक पीछे कर रहा था तब मैडम का का सर सामने के चक्के से एक फुट पर था, मैडम ने देखा नीचे, तब पैर कट चुका था पर वह घबराई नहीं उन्होंने तब भी सोच

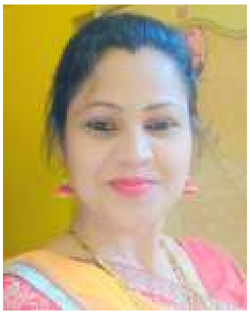

लेख- सौ.सारिका दीप मिश्रा

ईश्वर ने उन्हें जिंदा तो रखा है,वह ट्रक का चक्का बजाने लगी बताने के लिए कि वह नीचे है पर ट्रक चालक को आवाज नहीं आई और वह ट्रक पीछे करने लगा तब मैडम ने दूसरा पैर को पास में कर धीरे-धीरे नीचे की ओर सड़क गए.तब तक लोगों ने ट्रक रोक लिया था उन्हें दो लोगों ने बाहर निकला तब भी वह हिम्मत नहीं हारी उन्होंने मोबाइल देखा सही सलामत था पहले कॉल उन्होंने पुलिस स्टेशन लगवाया यह बताने के लिए कि वह नहीं आ पाएगी उनकी छुट्टी डाल दी जाए. मैं दूसरे दिन उनसे मिली उन्होंने आशावादी चेहरे से मुझे देखा ओर कहा कि ईश्वर ने मुझे बच्चों के लिए जिंदा तो रखा है और वे आज भी पूरे उत्साह से सकारात्मक सोच के साथ छोटे-छोटे रील बनाकर कार्यक्रम करके खुद भी खुश रहती है और परिवार को भी खुश रखती है उनके इस कठिन समय में उनके पति और बच्चे उनके साथ हर वक्त खड़े है. सलाम है प्रियंका मैडम की हिम्मत को और उनकी नौकरी के लिए प्रति ईमानदारी को.

इस घटना से झांसी की रानी के प्रति के वह शब्द याद आ गए खूब लड़ी मैदानी वह झांसी वाली रानी थी.

घटना बताने का तात्पर्य यह है कि चाहे कितनी भी मुश्किल स्थिति क्यों ना आ जाए हम महिलाएं भी समय सुचकता से काम, मन संतुलित रख कर लेकर स्थिति को मार देती है तो वह सिर्फ अपने परिवार के लिए. इतिहास की घटनाओं की चर्चा हम करते हैं परंतु हमारे सामने ही ऐसी ही महिलाएं हैं जो हिम्मत से अपने जीवन की जिम्मेदारियां का निर्वहन करती है और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी निभाती है. परन्तु भारतीय महिलाएं परिवार की खातिर अपना जीवन होम करती है,परिवार के प्रति उनका यह त्याग उन्हें सम्मान का अधिकारी बनता है परंतु दुख के साथ करना पड़ता है कि कभी-कभी यह सम्मान उन्हें उनके जीवनसाथी से भी नहीं मिल पाता है तथा हम एक दूसरे का साथ देने के बजाय रिश्तों में मुश्किलें खड़ी करती है.

आज महिला दिवस पर मैं एक अनुरोध महिलाओं से करना चाहती हूं कि हर स्त्री ने खुद के लिए समय निकालना चाहिए, खुद को स्वस्थ रखें ताकि पूरा परिवार हम स्वस्थ रख पाएं. जिम्मेदारियां पूरी करते-करते जीवन कब बीत जाता है पता ही नहीं चलता,लाख मेहनत करने पर भी न रहता नहीं कोई आभारी हर घर में रहती है ऐसी नारी. बुढ़ापा आने पर जब मुड कर देखे तब पता चलता है की अब तो समय ही नहीं बचा निकलने केलिए. इसीलिए हर स्त्री के लिए एक यह कहना चाहूंगी ये जिंदगी तुझे भी नहीं मिलेगी दोबारा.

दूसरों पर मरने के साथ ही अच्छा है खुद के लिए भी थोड़ा जिया करो जिंदगी तुम्हें भी एक बार ही मिली है,अपने लिए भी थोड़ा समय निकाला करो.महिलाएं घर की रौनक और खुशियां होती हैं, सदैव सभी को खुश रखने का प्रयास करती हैं लेकिन कई बार इस भागदौड़ वाली जिंदगी में स्वयं के लिए समय नहीं निकाल पाती हैं. मेरा मानना है कि आपको अपने लिए भी समय निकालना चाहिए. प्यार रिश्ते नाते जिम्मेदारी माना कि सब जरूरी है, पर तू ही सलामत ना रहे तो पगली यह सब कहां जरूरी है. इसलिए स्वयं भी खुश रहने,स्वस्थ रहने का प्रयास करना चाहिए.

मोबाइल नंबर 9822710176.

कृषि विभाग के सेवानिवृत्त विश्लेषक, यारों के यार तथा सभी के चहेते

नरेन्द्र पचगाड़े

को जन्मदिन की मंगलमय

हार्दिक शुभकामनाएं.

आप स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

शुभेच्छुक - लॉफिंग क्लब, शारदा नगर, मित्र परिवार तथा विदर्भ स्वाभिमान

प्रभु की सुंदर रचना हैं महिलाएं, त्याग की होती हैं प्रतिमूर्ति

विश्व महिला दिवस पर समस्त महिलाओं को हार्दिक शुभकामनाएं. क्या बिना महिला के दुनिया की कल्पना की जा सकती है. वह जहां सृजन का रूप होती है, वहीं अगर क्रोधित हो जाए तो महाकाली बनकर राक्षसी प्रवृत्तियों को खत्म करने की ताकत भी रखती है. महिलाओं की खूबी उनका सबसे बड़ा त्याग होता है. स्वयं के प्रेम, अपनेपन से जहां परिवार को संवारती है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक क्षेत्र में भी सदैव योगदान देती है. महिला दिवस दुनिया भर में प्रतिवर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है.भारतीय संस्कृति में नारी के सम्मान को बहुत महत्व दिया गया है. संस्कृत में एक श्लोक है- 'यस्य पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवता:. अर्थात, (जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं). बच्चों में संस्कार भरने का काम मां के रूप में नारी द्वारा ही किया जाता है. यह तो हम सभी बचपन से सुनते चले आ रहे हैं कि बच्चों की प्रथम गुरु मां ही होती है. मां के व्यक्तित्व-कृतित्व का बच्चों पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार का असर

विदर्भ स्वाभिमान नारी तू ही नारायणी

पड़ता है.अंत में हम यही कहना ठीक रहेगा कि हम हर महिला का सम्मान करें. अवहेलना, भ्रूण हत्या और नारी की अहमियत न समझने के परिणाम स्वरूप महिलाओं की संख्या, पुरुषों के मुकाबले आधी भी नहीं बची है. इंसान को यह नहीं भूलना चाहिए, कि नारी द्वारा जन्म दिए जाने पर ही वह दुनिया में अस्तित्व बना पाया है और यहां तक पहुंचा है. उसे ठुकराना या अपमान करना सही नहीं है. ईश्वर की सबसे सुंदर रचना औरत के हर रूप को प्रणाम, आंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाए. सभी महिलाएं स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

ओम संजय हातगांवकर

त्याग,मेहनत की संगम हैं सौ. वनिता विनोद गोळे

क्रहते हैं कि महिलाओं में अपार क्षमता और एक साथ कई कार्य करने की प्रकृति प्रदत्त क्षमता होती है. वह क्रठिन से कठिन स्थितियों में भी जूझने की ताकत रखती है. ऐसे में महिलाओं की जितनी वंदना की जाए, कम है. वल्लभनगर निवासी सौ. वनिता विनोद गोळे भी ऐसी ही महिला हैं. स्थितियां चाहे कैसी भी रही हों, उन्होंने अपने कार्यों से परिवार को जहां आगे बढ़ाया, वहीं तीनों बेटियों को पढ़ा-लिखाकर अपने पैरों पर खड़ा किया. बचपन से ही सक्रिय के साथ ही अथक मेहनत करने वाली सौ. वनिता गोळे का कहना है कि मेहनत से प्राप्त सफलता जो खुशी देती है, वह शार्टकट से प्राप्त सफलता कभी नहीं दे सकती है. वे बताती हैं कि जीवन में बचपन में ग्राम पंचायत सदस्य से लेकर विवाह के बाद अमरावती आने के बाद भी उन्होंने कभी भी किसी काम को छोटा नहीं समझा. आज पति की बीमारी हो अथवा स्वयं की बीमारी लेकिन कभी परेशान नहीं होती हैं. इतना ही नहीं तो अन्यों को भी प्रेरणा देने का काम करती हैं. उनके इसी स्वभाव के चलते और स्वयं के बलबूते हासिल की गई सफलता के कारण ही विदर्भ स्वाभिमान महिला सम्मान उन्हें प्रदान करते हुए गौरव हो रहा है. महिलाओं के बारे में उनका कहना है कि भारतीय संस्कृति महान है. इसमें महिलाओं को सदैव सम्मान दिया गया है. महिलाओं ही घर की आन-बान और शान होती हैं. बिना महिला के दुनिया की कल्पना की जा सकती है. वह जहां सृजन का रूप होती है, वहीं अगर क्रोधित हो जाए तो महाकाली बनकर राक्षसी प्रवृत्तियों को खत्म करने की ताकत भी रखती है.

श्वेता सुभाषचंद्र दुबे

त्यागी, उद्यमी महिला हैं कमलाताई बाणेवार

अकोला जिले में जन्मी 7 जुलाई1957 श्रीमती कमल रामराव बानेवार का जीवन काफी संघर्षों से घिरा रहा है. लेकिन उन्होंने हर स्थिति को संभालने के साथ ही जहां बच्चों का विवाह किया, वहीं पुत्री हेमा की शादी के साथ ही दोनों बच्चों को बडनेरा रोड पर दुकान के माध्यम से उद्यमी बनाया. आमतौर पर महिलाओं के लिए दोनों जिम्मेदारी संभालना कठिन होता है लेकिन उन्होंने दोनों ही भूमिकाओं के साथ न्याय किया. वे जहां अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं, वहीं दूसरी ओर आत्मीयता और अपनेपन की सागर कहना गलत नहीं है.

बडनेरा रोड पर दुकान के माध्यम से जहां उन्होंने रोजगार के माध्यम से जहां वे आज भी युवाओं को भी शर्मसार करने जैसी सक्रियता है, वहीं दूसरी ओर दोनों ही बेटे अपने कामों से समाज को गौरवान्वित कर रहे हैं.

अपने स्वयं के अथक प्रयासों और मेहनत के बलबूते शहर में स्थान बनाने वाली कमलताई बाणेवार ऐसी ही महिला हैं, जिन्होंने स्वयं का मुकाम अपने प्रयासों से हासिल किया.उनका कहना रहता है कि मेहनत और कोई भी काम छोटा नहीं होता है. जो जीवन में इस बात को समझ लेता है, उसे किसी तरह की तकलीफ नहीं होती है. महिलाओं की भूमिका त्यागी और संस्कारों की जननी का होता है. वह कहती हैं जहां मेहनत है और काम के प्रति समर्पण है तो सफलता निश्चित मिलती है.उनके योगदान के चलते उन्हें विदर्भ स्वाभिमान नारी सम्मान प्रदान करते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है.

विदर्भ स्वाभिमान नारी तू ही नारायणी

विदर्भ स्वाभिमान

नारी सम्मान पर हार्दिक शुभकामनाएं

सत्कार मूर्ति

सौ. सुनंदाताई खरड, सौ.छायाताई विठ्ठलराव सोनवलकर, सौ. वनिता गोळे, श्रीमती कमल बाणेवार को प्रथम विदर्भ स्वाभिमान नारी सम्मान पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

खुशियों के हर प्रकार के रंग उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

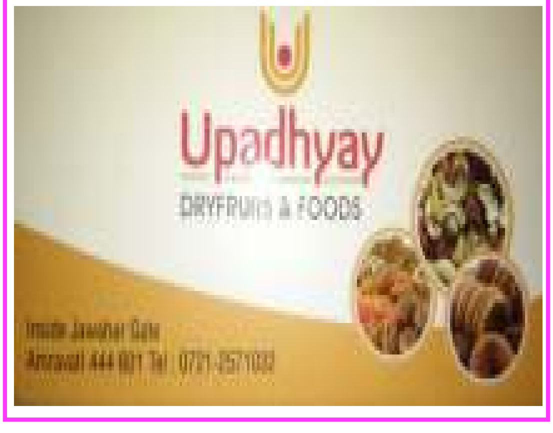

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139

विदर्भ स्वाभिमान नारी सम्मान का 9 को वितरण

अमरावती- आदर्श आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान नारी मंच द्वारा शहर की विभिन्न क्षेत्रों की 5 महिलाओं को विदर्भ स्वाभिमान नारी सम्मान की घोषणा की गई है. इनका विदर्भ स्वाभिमान के मुख्यालय छाया कॉलोनी में आयोजित कार्यक्रम में सत्कार किया जाएगा.

विदर्भ स्वाभिमान नारी मंच की मुख्य प्रबंधक सौ. वीणा दुबे तथा भावना बनारसे ने बताया कि इस साल से शुरूवात हुई है. कार्यक्रम में ऐसी महिलाओं का चयन किया गया है, जिन्होंने अपने कार्यों से जहां परिवार को संवारा है, वहीं दूसरी ओर समाज के लिए भी प्रेरणा देने का काम किया है. सभी महिलाओं ने स्वयं के कार्यों से महिलाओं को हिम्मत देने का काम किया है. सम्मानित होने वाली महिलाओं में पूर्व नगर सेविका सौ. सुनंदाताई खरड, सौ. वनिता गोले, सैकड़ों गरीबों, दिव्यांगो की भूख अल्प शुल्क में मिटाने वाली सौ. छायाताई सोनवलकर, श्रीमती कमल रामराव बानेवार तथा अन्य एक महिला का समावेश है. कार्यक्रम में महिलाओं से उपस्थित रहने का आग्रह वीणा दुबे, भावना बनारसे तथा श्वेता दुबे ने किया है. शहर की विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को यह सम्मान दिया जाएगा.

हर घर में हो यह किताब

माता-पिता की उपेक्षा करने वाले घर में कभी शांति, सम्पन्नता नहीं रह सकती है. यदि रही भी तो आत्मिक सुकून बिल्कुल नहीं रहता है. आदर्श विचार जीवन में खुशी का केन्द्र रहते हैं. ऐसे में माता-पिता की सेवा के महत्व, उससे होने वाले चमत्कार, माता-पिता की सेवा नहीं करने के परिणाम को दिखाने का प्रयास इस किताब में किया गया है. बच्चों में बेहतरीन संस्कार के लिए यह जरूरी है.संस्कार का जीवन में कितना महत्व है, इस पर किताब में प्रकाश डाला गया है. प्राप्ती के लिए संपर्क करें. कीमत केवल 125 रूपए. जिस घर में माता-पिता हंसते हैं, भगवान वहीं पर बसते हैं.आजमाकर देखें.

मो. 9423426199/8855019189

क्यों मनाते हैं महाशिवरात्रि, क्या है भोलेभक्ति का महत्व

महाशिवरात्रि पर विशेष

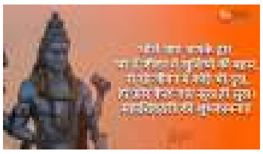

कहते हैं देवों के देव महादेव बहुत भोले और भक्त की अल्प भक्ति पर भी प्रसन्न होकर उसके जीवन में सभी खुशियां देने वाले देव हैं. उनकी भक्ति करने वाले के तमाम दुःखों को जहां वे नष्ट करते हैं, वहीं दूसरी ओर भक्तों की हर मनोकामनाओं को पूरी करते हैं. शिव की महान रात्रि, महाशिवरात्रि का त्यौहार भारत के आध्यात्मिक उत्सवों की सूची में सबसे महत्वपूर्ण है. सद्गुरु बता रहे हैं कि यह रात इतनी महत्वपूर्ण क्यों है और हम इसका लाभ कैसे उठा सकते हैं.

सदगुरू किसी समय, भारतीय संस्कृति में, एक वर्ष में 365 त्योहार हुआ करते थे. दूसरे शब्दों में कहें तो, वे साल के प्रति दिन, कोई न कोई उत्सव मनाने का बहाना खोजते थे. ये 365 त्योहार विविध कारणों तथा जीवन के विविध उद्देश्यों से जड़े थे. इन्हें विविध ऐतिहासिक घटनाओं, विजय श्री तथा जीवन की कुछ अवस्थाओं जैसे फसल की बुआई, रोपाई और कटाई आदि से जोड़ा गया था. हर अवस्था और हर परिस्थिति के लिए हमारे पास एक त्योहार था.

परमतत्व की चाहत करने वाले सभी लोगों के लिए महाशिवरात्रि बहुत महत्वपूर्ण है. मेरी कामना है कि यह रात आपके चैतन्य-जागृति की रात बन जाए.हर चंद्र मास का चौदहवाँ दिन अथवा अमावस्या से पूर्व का एक दिन शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है. एक कैलेंडर वर्श में आने वाली सभी शिवरात्रियों में से, महाशिवरात्रि, को सर्वाधिक महत्वपूर्ण माना जाता है, जो फरवरी-मार्च माह में आती है. इस रात, ग्रह का उत्तरी गोलार्द्ध इस प्रकार अवस्थित होता है कि मनुष्य भीतर ऊर्जा का प्राकृतिक रूप से ऊपर की और जाती है. यह एक ऐसा दिन है, जब प्रकृति मनुष्य को उसके आध्यात्मिक शिखर तक जाने में मदद करती है. इस समय का उपयोग करने के लिए, इस परंपरा में, हम एक उत्सव मनाते हैं, जो पूरी रात चलता है. पूरी रात मनाए जाने वाले इस उत्सव में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है कि ऊर्जाओं के प्राकृतिक प्रवाह को उमड़ने का पूरा अवसर मिले आप अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए निरंतर जागते रहते हैं.महाशिवरात्रि आध्यात्मिक पथ पर चलने वाले साधकों के लिए बहुत महत्व रखती है. यह उनके लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है जो पारिवारिक परिस्थितियों में हैं और संसार की महत्वाकांक्षाओं में मग्न हैं. पारिवारिक परिस्थितियों में मग्न लोग महाशिवरात्रि को शिव के विवाह के उत्सव की तरह मनाते हैं. सांसारिक महत्वाकांक्षाओं में मग्न लोग महाशिवरात्रि को, शिव के द्वारा अपने शत्रओं पर विजय पाने के दिवस के रूप में मनाते हैं. परंतु, साधकों के लिए, यह वह दिन है, जिस दिन वे कैलाश पर्वत के साथ एकात्म हो गए थे. वे एक पर्वत की भाँति स्थिर व निश्चल हो गए थे. यौगिक परंपरा में, शिव को किसी देवता की तरह नहीं पूजा जाता. उन्हें आदि गुरु माना जाता है, पहले गुरु, जिनसे ज्ञान उपजा. ध्यान की अनेक सहस्राब्दियों के पश्चात, एक दिन वे पूर्ण रूप से स्थिर हो गए. वही दिन महाशिवरात्रि का था. उनके भीतर की सारी गतिविधियाँ शांत हुईं और वे पूरी तरह से स्थिर हुए, इसलिए साधक महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात्रि के रूप में मनाते हैं.

आध्यात्मिक महत्व-इसके पीछे की कथाओं को छोड़ दें, तो यौगिक परंपराओं में इस दिन का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि इसमें आध्यात्मिक साधक के लिए बहुत सी संभावनाएँ मौजूद होती हैं. आधुनिक विज्ञान अनेक चरणों से होते हुए, आज उस बिंदु पर आ गया है, जहाँ उन्होंने आपको प्रमाण दे दिया है कि आप जिसे भी जीवन के रूप में जानते हैं, पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं, जिसे आप ब्र्ह्माण्ड और तारामंडल के रूप में जानते हैं; वह सब केवल एक ऊर्जा है, जो स्वयं को लाखों-करोड़ों रूपों में प्रकट करती है. यह वैज्ञानिक तथ्य प्रत्येक योगी के लिए एक अनुभव से उपजा सत्य है. योगी शब्द से तात्पर्य उस व्यक्ति से है, जिसने अस्तित्व की एकात्मकता को जान लिया है.महाशिवरात्रि पूरे भारत में ही नहीं तो जहां-जहां भी भारतवासी रहते हैं, विश्व के सभी स्थानों पर मनाया जाता है. इस पर्व पर हमारी हार्दिक शुभकामनाएं.

युवा स्वाभिमान पार्टी के मजबूत पिल्लर हैं सुनील राणा

जन्मदिन पर विशेष, कार्यकर्ताओं को करते हैं सदैव प्रोत्साहित

अमरावती - युवा स्वाभिमान पार्टी क्री बढ़ती मजबूतीऔर बड़े-बड़े कार्यक्रमों को लेने के मामले में सदैव चर्चा होती है. लेकिन पार्टी की स्थापना से लेकर सुनील राणा ऐसे मजबूत पिल्लर हैं, जो कार्यकर्ताओ के दिलों में रहते हैं. पार्टी को जनाभिमुख बनाने में उनका महत्वपूर्ण स्थान रहता है. पर्दे के पीछे रहकर पार्टी की मजबूती के लिए प्रयास करने वाले सुनील राणा बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखते हैं. कार्यकर्ताओं के हर सुख-दुख में सबसे पहले दौड़ने वाले तथा सहयोग करने वाले सुनील राणा को जन्मदिन की विदर्भ स्वाभिमान परिवार की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

पार्टी के संस्थापकों के साथ ही बेहतरीन मार्गदर्शक के रूप में पर्दे के पीछे के नायक के रूप में सुनील राणा की भूमिका को हजारों कार्यकर्ता सलाम करते हैं. उनकी हर बात का पालन करने के लिए जहां सक्रिय रहते हैं, वहीं दूसरी ओर कार्यकर्ताओं के दिलों में उनका महत्वपूर्ण स्थान रहता है. विधायक रवि राणा के बड़े भाई के साथ ही भाई हो तो कैसा होना चाहिए, यह उन्हों ने साबित किया है. उनकी उपस्थिती में पार्टी के आंदोलन, कार्यकर्ताओं की कोई परेशानी से लेकर हर तरह की गतिविधियों को संचालन करने वाले सुनील राणा पर्दे के पीछे के ऐसे नायक हैं, जो सामने नहीं आते हैं लेकिन युवा स्वाभिमान पार्टी की रीढ़ की हड्डी कहे जा सकते हैं.

शहर ही नहीं तो समाजसेवा और राजनीतिक कामों में सक्रिय रहने वाले सुनील गंगाधर राणा युवा नेता के साथ ही सेवाभावी कामों में सक्रिय रहने वाले व्यक्तित्व हैं. सफलतम व्यवसायी के प में न केवल अमरावती बल्कि समूचे राज्य स्तर के व्यवसायी हैं. विभिन्न कंपनियों के संचालक के अलावा युवा स्वाभिमान पार्टी की मजबुती में भी उनका सदैव अहम योगदान रहा है. पार्टी की मजबूती के साथ ही पार्टी के जनाधार को बढ़ाने में उन्होंने सदैव महत्वपूर्ण कार्य किया है. उनकी सादगी, उनकी सम्पन्नता में भी विनम्रता का जहां परिचय करवाती है, वहीं दूसरी ओर वे संबंधों को जिस बेहतरीन तरीके से निभाते हैं और यारों के लिए सदैव उपलब्ध रहते हैं, आज के दौर में यह कठिन ही रहता है. बातचीत में उनकी सादगी देखकर उनके बड़प्पन का कोई अंदाज नहीं लगा सकता है. 10 मार्च को उनके जन्मदिन पर सुबह से लेकर रात तक जिस तरह से लोगों द्वारा उन्हें जन्मदिन

विदर्भ स्वाभिमान

की शुभकामनाएं दी गई, वह आत्मीयता और प्रेम आज के दौर में सभी के नसीब में नहीं रहती है.वे भी विनम्रता पूर्वक जन्मदिन की शुभकामनाएं देने वालों के प्रति कृतज्ञता जताते हैं. उनका कहना है कि जीवन में उनके लिए यह यादगार प्रसंग रहता है. लोगों का प्रेम ही उन्हें उर्जा देता है. अनगिनत पुरस्कारों से जहां वे अभी तक सम्मानित हो चुके हैं, वहीं दूसरी ओर अभी तक सामाजिक, धार्मिक कामों में सदैव अग्रणी रहे हैं. वे सदैव कहते हैं कि इन्सान के हाथ में केवल प्रयास करना रहता है, बाकी ऊपरवाले पर छोड़ देना चाहिए. माता-पिता के आशिर्वाद को जीवन में सबसे बड़ा चमत्कार जहां वे मानते हैं, वहीं दूसरी ओर उनका कहना है कि आचार-विचार और संस्कार का जीवन में अत्याधिक महत्व होता है. बच्चों को शिक्षा के साथ ही हमारी जड़ों से जुड़े रहने की शिक्षा भी दी जानी चाहिए. सुनील राणा ने हजारों मित्र परिवार बनाएं हैं. सुनील राणा को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं, गोविंदा उनकी सभी मनोकामनाओं को पूरा करें, यही कामना.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क्री विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मत बुरा कर्म कर बंदे, वर्ना पछताएगा

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नहीं है. बल्कि इस जीवन का हम किस तरह स्वयं के कल्याण के साथ ही मानव कल्याण के लिए यथासंभव उपयोग करते हैं. ज़ो जीवन में केवल अपने लिए ही जीते हैं, उनमें और पशुओं में कोई अंतर नहीं होता है. लेकिन जो गरीबों, जरूरतमंदों को अपनी क्षमता के मुताबिक मदद देने का काम करते हैं, प्रभु सदैव उनकी झोली खुशियों से भर देता है. इसलिए भाव के साथ देव का विश्वास रखते हुए सदैव अच्छा करने का प्रयास करें. किसी के साथ छल करने के बाद अपने साथ वैसा ही छल होगा, यह निश्चित मानकर चलें . बुरा करनेवाले को उसका दंड भुगतना ही पड़ता है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 23 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

पूज्य बाबूजी कहते थे कि परिवार में महिलाओं का महत्व सबसे अधिक रहता है. वह जहां खुशियों का कारण होती हैं, वहीं महिलाएं ही परिवार को एक सूत्र में जोड़े रखने का काम करती है. वह घर को स्वर्ग बनाने की क्षमता रखती हैं. महिलाओं काजिस घर में सम्मान होता है, उस घर में सुख, समृद्धि के साथ ही स्वास्थ्य का वरदान रहता है. लेकिन इसके विपरीत होने पर घर में कलह होता है. महिलाओं का सदैव सम्मान करना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com